



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 370] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 29, 1974/भ.प्र. 7, 1856

No. 370] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 29, 1974/BH/ DRA 7, 1856

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th August 1974

S.O. 512(E)/IDRA/74/13.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, namely:—

In the notification, in Schedule V, after item No. 11, the following item shall be added, namely:—

'12. AAC/ACSR Conductors falling under item "(6) Electrical Cables and Wires" under the heading, "5. ELECTRICAL EQUIPMENT"'

2. In pursuance of sub-section (2) of section 29B of said Act, the Central Government hereby specifies a period of six months from the date of publication of this notification as the period after the expiry of which no owner of any industrial undertaking engaged in the manufacture of AAC/ACSR Conductors shall carry on the business of such undertaking, except under and in accordance with a licence issued in this behalf by the Central Government and in the case of State Governments except under and in accordance with the previous permission of the Central Government.

[No. F.12(72)/L.P./74]

S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1974

का० आ० 512 (अ)/आई डी आर ए /74/13.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० 98 (ई)/आई डी आर ए/29ख/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1974 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, अनुसूची 5 में, मद सं० 11 के पश्चात् निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

'12. "(5) विद्युत् उपस्कर" शीर्षक के नीचे मद "(6) विद्युत् केबल और तार" के अन्तर्गत आने वाले ए-ए सी/ए सी एस आर चालक ।'

2. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 29ख की उपधारा (2) के अनुसरण में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 6 मास की अवधि को ऐसी अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसकी समाप्ति के पश्चात् ए-ए सी/ए सी एस आर चालकों के विनिर्माण में लगे हुए किसी औद्योगिक उपक्रम का स्वामी, इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई अनुज्ञप्ति के अधीन तथा उसके अनुसरण के सिवाय और राज्य सरकारों की दसा में केन्द्र सरकार की पूर्व अनुज्ञा के अधीन और उसके अनुसरण के सिवाय, ऐसे उपक्रम का कारबार नहीं चलाएगा ।

[सं० फा० 12 (72)/एल० पी० /74]

एस्० के० सहगल, संयुक्त सचिव ।